टिप्पणी

# 27

# अंशों का निर्गमन

पिछले पाठ में आपने संयुक्त पूँजी कम्पनी का अर्थ, विशेषताएं तथा इसके विभिन्न प्रकारों के विषय में अध्ययन किया। आपको अंश पूँजी तथा इसके विभिन्न प्रकारों की जानकारी है। अंश निर्गमन द्वारा इकट्ठा किया गया धन कम्पनी वित्त का प्रमुख स्रोत है। इस पाठ में हम अंशों के निर्गमन तथा इसके कंपनी की बहियों में लेखांकन विधि की प्रक्रिया का अध्ययन करेंगे।

## उद्देश्य

*इस पाठ के अध्ययन करने के पश्चात् आप*

- अंश निर्गमन की प्रक्रिया को समझा सकेंगे;
- अंश राशि को (क) एकमुश्त (ख) दो या दो से अधिक किश्तों में मांगा जा सकता है को समझा सकेंगे;
- कंपनी अंशों को सममूल्य मूल्य, अधिमूल्य तथा बट्टे पर निर्गमित कर सकती है;
- अंशों के निर्गमन की प्रविष्टि के लिए रोजनामचा में प्रविष्टि कर सकेंगे;
- अदत्त याचना (calls in arrears) राशि एवं पूर्वदत्त याचना (calls in advance) राशि शब्दों की व्याख्या कर सकेंगे।

## 27.1 अंशों के निर्गमन की प्रक्रिया (Procedure of Issue of Shares)

अंशों का अंकित मूल्य अंश के सममूल्य के बराबर होता है। इसे अंश का अंकित मूल्य भी कहते हैं। अंशों के निर्गमन के लिए कंपनी एक विशेष प्रक्रिया का पालन करती है जिसका नियमन कंपनी अधिनियम के द्वारा होता है। अंशों के निर्गमन की कई विधियां है जो इस प्रकार हैं :

(क) रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले (For consideration other than cash)

(ख) रोकड़ के बदले (For cash)।

### (क) रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले

कभी–कभी कंपनी की स्थापना के समय कंपनी के प्रवर्त्तकों को उनकी सेवाओं के बदले अंश जारी किये जाते हैं। इन अंशों के निर्गमन मूल्य को साधारणतया 'ख्याति' खाते के नाम में लिखा जाता है तथा रोजनामचा में प्रविष्टि इस प्रकार से होती है

ख्याति खाता नाम
अंश पूँजी खाता से

जब किसी कंपनी के पास स्थाई संपत्ति खरीदने के लिए अथवा लेनदारी के भुगतान के लिए पर्याप्त राशि नहीं होती है तो यह नकद भुगतान के बदले अपने अंश देने अथवा आबंटन करने का प्रस्ताव रख सकती है। कोई भी अंशों का आबंटन, जिसके लिए रोकड़ न प्राप्त की गई हो, उसे रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले में अंशों का निर्गमन कहते हैं। उदाहरण के लिए भवन खरीदा तथा भुगतान में अंशों का निर्गमन किया गया।

सम्पत्ति जैसे कि भवन, मशीन, माल का स्टाक आदि के क्रय पर, नीचे दी गई रोजनामचा प्रविष्टि की जायेगी

1. परिसम्पत्ति खाता नाम
   विक्रयकर्त्ता/लेनदार खाता से
   (परिसम्पत्ति खरीदी गई)

2. विक्रयकर्त्ता/लेनदार खाता नाम
   पूँजी खाता से
   (अंशों का निर्गमन ₹..... प्रति अंश सम्पूर्ण देय)

### (ख) अंशों का रोकड़ के बदले निर्गमन

सामान्यतः अंशों का निर्गमन नकद के बदले ही किया जाता है। कंपनी अंश राशि को एक मुश्त अथवा दो या अधिक किश्तों में मांग सकती है। लेकिन कंपनी इस राशि को सदा बैंक के माध्यम से इकट्ठा करती है।

**(i) अंश राशि को एक मुश्त प्राप्त करना :** कंपनी समग्र अंश राशि को आवेदन पत्र के साथ एक ही बार में प्राप्त कर सकती है। ऐसा होने पर कंपनी की बहियों में निम्न प्रविष्टि की जाएगी

1. प्रार्थना राशि की प्राप्ति पर

   बैंक खाता नाम
   अंश आवेदन खाता से
   (अंशों पर ₹..... प्रति अंश से आवेदन राशि प्राप्त हुई)

टिप्पणी

2. आवेदन राशि का हस्तान्तरण

अंश प्रार्थना खाता नाम
अंश पूँजी खाता से
(आवेदन राशि का अंश पूँजी खाता में हस्तान्तरण)

**(ii) अंश राशि को दो या अधिक किश्तों में प्राप्त करना :** एक ही किश्त अर्थात आवेदन के साथ में भुगतान न प्राप्त कर कंपनी इसे दो अथवा अधिक किश्तों में एकत्रित करता है। पहली किश्त का भुगतान प्रार्थी अंशों के लिए प्रार्थना पत्र के साथ करती है इसे प्रार्थना राशि कहते हैं। अंशों के आबंटन पर आबंटियों को दूसरी किश्त का भुगतान करना है उसे आबंटन राशि कहते हैं। यदि कंपनी राशि को दो से अधिक किश्तों में मांगती है तो अन्य किश्तों को याचना राशि अर्थात प्रथम याचना, द्वितीय याचना अथवा अन्तिम याचना कहते हैं।

उपर्युक्त मामलों में लेनदेन की रोजनामचे में प्रविष्टि इस प्रकार से होंगी :

***(क) आवेदन राशि की प्राप्ति पर***

बैंक खाता नाम
अंश आवेदन खाता से
(अंशों के लिए ₹..... प्रति अंश से आवेदन राशि प्राप्त हुई)

***(ख) अंशों के आबंटन पर :*** निर्धारित समय के भीतर अंशों के लिए आवेदन प्राप्त होने के पश्चात कंपनी का निदेशक मंडल अंशों का आबंटन करता है। अंशों के आबंटन पर अंश आवेदन राशि को अंश पूँजी खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इसके लिए नीचे दी गई रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है

अंश आवेदन खाता नाम
अंश पूँजी खाता से
(..... अंशों की आवेदन राशि का ₹..... प्रति
दर से पूँजी खाते में हस्तान्तरण)

## आबंटन राशि का देय होना एवं प्राप्त होना

अंशों के आबंटन पर अगली किश्त अर्थात आबंटन पर प्राप्य राशि देय हो जाती है। आबंटन राशि के देय होने पर निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है

*(i) आबंटन राशि का देय होना*

अंश आबंटन खाता नाम
अंश पूँजी खाता से
(अंशों पर ₹..... प्रति अंश से आबंटन राशि देय)

टिप्पणी

*(ii) आबंटन राशि की प्राप्ति*

आबंटन राशि की प्राप्ति पर निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है

| | | |
|---|---|---|
| बैंक खाता | | नाम |
| | अंश आबंटन खाता | से |
| (अंशों पर देय आबंटन राशि की प्राप्ति) | | |

## अंशों पर याचना (Calls on Shares)

आवेदन राशि एवं आबंटन राशि की प्राप्ति के पश्चात शेष देय राशि को कंपनी आवश्यकता पड़ने पर कभी भी मांग सकती है। अतः याचना कंपनी की वह मांग है जिसको वह अंश धारकों से उनको आबंटित अंशों पर याचना राशि को भेजने के लिए कहती है।

शेष राशि को कंपनी दो से अधिक किश्तों में मांग सकती है। आबंटन के पश्चात मांगी गई राशि को याचना राशि कहते हैं। एक या एक से अधिक याचनाएं हो सकती है। यह कंपनी की आवश्यकता पर निर्भर करती है।

जब केवल एक ही बार याचना की जानी है, तो याचना के देय होने पर प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

| | | |
|---|---|---|
| अंश प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता | | नाम |
| | अंश पूँजी खाता से | |
| (अंशों पर ₹..... प्रति अंश याचना राशि देय) | | |

## याचना राशि की प्राप्ति

रोजनामचा में याचना राशि की प्रप्ति पर नीचे दी गई प्रविष्टि की जाएगी

| | | |
|---|---|---|
| बैंक खाता | | नाम |
| | अंश प्रथम एवं अंतिम याचना खाता से | |
| (अंशों पर ₹..... प्रति अंश याचना राशि प्राप्त हुई) | | |

***नोट :*** यदि कंपनी एक से अधिक बार याचना करती है तो द्वितीय अथवा तृतीय याचना राशि के देय होने एवं प्राप्ति का समान लेखा किया जायेगा। अंतिम मांग को अंतिम याचना कहते हैं।

### उदाहरण 1

दि फैशन फैबरिक लि. ने 1 अप्रैल 2014 को ₹ 10 प्रति के 1,00,000 अंश निर्गमित किए हैं। इन अंशों पर राशि का भुगतान इस प्रकार से होना है

आवेदन पर ₹ 2 प्रति अंश

आबंटन पर ₹ 3 प्रति अंश

याचना पर ₹ 5 प्रति अंश

रोजनामचा में प्रविष्टि कीजिए और संबंधित खाते तैयार कीजिए :

टिप्पणी

**हल :**

**दि फैशन फैबरिक्स लि.**
**रोजनामचा प्रविष्टियां**

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *नाम राशि (₹)* | *जमा राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बैंक खाता नाम<br>अंश आवेदन खाता से<br>(₹ 2 प्रति अंश, आवेदन राशि प्राप्त हुई।) | | 2,00,000 | 2,0,0000 |
| 2. | आवेदन खाता नाम<br>अंश पूँजी खाता से<br>(₹ 1,00,000 अंशों के लिए आवेदन राशि का अंश पूँजी खाता में हस्तान्तरण) | | 2,00,000 | 2,00,000 |
| 3. | अंश आबंटन खाता नाम<br>अंश पूँजी खाता से<br>(1,00,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश आबंटन राशि देय) | | 3,00,000 | 3,00,000 |
| 4. | बैंक खाता नाम<br>अंश आबंटन खाता से<br>(1,00,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश आबंटन राशि प्राप्त) | | 3,00,000 | 3,00,000 |
| 5. | अंश प्रथम एवं अंतिम याचना खाता नाम<br>अंश पूँजी खाता से<br>(1,00,000 अंशों पर ₹ 5 प्रति अंश याचना राशि देय) | | 5,00,000 | 5,00,000 |
| 6. | बैंक खाता नाम<br>अंश प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से<br>(1,00,000 अंशों पर ₹ 5 प्रति अंश याचना राशि प्राप्त हुई) | | 5,00,000 | 5,00,000 |

**नोट :** अंश समता अंश अथवा पूर्वाधिकार अंश हो सकते हैं, लेकिन यदि केवल 'अंश' शब्द प्रयुक्त हुआ है तो इसे समता अंश माना जायेगा।

## संबंधित खाते

### बैंक खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अंश आवेदन खाता | | 2,00,000 | | शेष c/d | | 10,00,000 |
| | अंश आबंटन खाता | | 3,00,000 | | | | |
| | अंश प्रथम एवं अंतिम खाता | | 5,00,000 | | | | |
| | | | 10,00,000 | | | | 10,00,000 |
| | शेष b/d | | 10,00,000 | | | | |

### अंश आवेदन खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अंश पूंजी खाता | | 2,00,000 | | बैंक खाता | | 2,00,000 |
| | | | 2,00,000 | | | | 2,00,000 |

### अंश पूंजी खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | शेष cld | | 10,00,000 | | अंश आवेदन खाता | | 2,00,000 |
| | | | | | अंश आबंटन खाता | | 3,00,000 |
| | | | | | अंश प्रथम एवं अंतिम याचना खाता | | 5,00,000 |
| | | | 10,00,000 | | | | 10,00,000 |
| | | | | | शेष b/d | | 10,00,000 |

### अंश आबंटन खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अंश पूंजी खाता | | 3,00,000 | | बैंक खाता | | 3,00,000 |
| | | | 3,00,000 | | | | 3,00,000 |

### अंश प्रथम एवं अंतिम याचना खाता

नाम जमा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) | तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अंश पूंजी खाता | | 5,00,000 | | बैंक खाता | | 5,00,000 |
| | | | 5,00,000 | | | | 5,00,000 |

टिप्पणी

## पाठगत प्रश्न 27.1

*रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरिये :*

(i) अंश का मूल्य उसका ..... मूल्य होता है।

(ii) रोकड़ के अतिरिक्त अन्य के बदले अंश ..... को जारी किये जाते हैं।

(iii) अंशों के निर्गमन पर कंपनी अंश राशि को एक मुश्त अथवा ..... में मांग सकती है।

(iv) कंपनी के पास अंश प्रार्थना राशि अंशों के ..... से प्राप्त होती है।

## 27.2 सम्पूर्ण, अल्प एवं अध्यिय अभिदान

एक कंपनी पूँजी जुटाने के लिए कुछ अंशों को जारी करने का निर्णय लेती है। यह जनसाधारण को इन अंशों के क्रय के लिए आमन्त्रित करती है। तीन स्थितियां हो सकती हैं :

**I. सम्पूर्ण अभिदान (Full Subscription) :** कंपनी के पास उतनी संख्या में अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हो सकते हैं जितने अंशों को कंपनी जनता को बेचना चाहती है। इसे सम्पूर्ण अभिदान कहते हैं। पूर्ण अभिदान की स्थिति में रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार से होगी:

(क) आवेदन राशि की प्राप्ति पर

बैंक खाता नाम
  अंश आवेदन खाता से
(..... अंशों के लिए आवेदन राशि प्राप्त हुई)

(ख) अंशों के आबंटन पर

अंश आवेदन खाता नाम
  अंश पूंजी खाता से
(अंश आवेदन राशि का उनके आबंटन पर अंश पूँजी खाता में हस्तान्तरण)

**II.** यदि कंपनी के पास उतने अंशों के बराबर के लिए आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं जितना कंपनी अभिदान के लिए प्रस्तावित करती है तो दो स्थितियां हो सकती है : (i) अल्प-अभिदान (under subscription); (ii) आधिक्य-अभिदान (over subscription)

***(i) अल्प-अभिदान (Under Subscription) :*** अंशों का अल्प–अभिदान कहलाता है जब कंपनी को अभिदान के लिए सर्वसाधारण को प्रस्तुत अंशों की संख्या से कम के लिए प्रार्थनापत्र प्राप्त होते हैं। इस स्थिति में कंपनी को अंशों के आबंटन करने में किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता क्योंकि प्रत्येक आवेदनकर्त्ता को जितने अंशों के लिए आवेदन किया था, उतने ही अंश आबंटित किये जाते हैं। लेकिन कंपनी अंशों के आबंटन की प्रक्रिया को उसी स्थिति में प्रारम्भ कर सकती है जबकि कम से कम आवश्यक अंशों का अभिदान हुआ हो, जिसे न्यूनतम अभिदान कहते हैं।

***(ii) आधिक्य-अभिदान (Over Subscription) :*** कभी–कभी कंपनी को अभिदान के लिए सर्वसाधारण को प्रस्तावित अंशों की संख्या से अधिक के लिए प्रार्थना पत्र प्राप्त हो जाते है। इस स्थिति को आधिक्य अभिदान कहते हैं। कोई भी कंपनी प्रस्तावित अंशों से अधिक का आबंटन नहीं कर सकती। अभिदान के आधिक्य की स्थिति में कंपनी के पास निम्न विकल्प होते हैं :

**विकल्प I**

***(i) आधिक्य प्रार्थना पत्रों को अस्वीकार करना एवं प्राप्त राशि की वापसी :*** कंपनी प्रस्तावित अंशों से अधिक के प्रार्थना पत्रों को अस्वीकार कर सकती है तथा आवेदनकर्त्ताओं को अस्वीकृति पत्र भेज दिया जाता है। इस स्थिति में ऐसे आवेदकों से प्राप्त आवेदन राशि को वापस कर दिया जाता है। रोजनामचे में निम्न प्रविष्टि की जाती है :

| | | |
|---|---|---|
| अंश आवेदन खाता | | नाम |
| | बैंक खाता से | |
| (अंशों की प्रार्थना राशि को आवेदकों को लौटाया गया) | | |

***(ii) अधिक्य आवेदन राशि को आबंटन पर देय राशि में समायोजन :*** इसके लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है :

| | | |
|---|---|---|
| अंश आवेदन खाता | | नाम |
| | अंश आबंटन खाता से | |
| (अधिक्य प्रार्थना राशि का आबंटन पर देय राशि में समायोजन) | | |

यदि आंशिक स्वीकृत प्रार्थना पत्रों पर प्रार्थना राशि उस राशि से अधिक है जो आबंटन राशि के समायोजन के लिए आवश्यक है तो अधिक राशि को वापस कर दिया जाता

टिप्पणी

है। यदि कंपनी के अन्तर्नियम अधिकार देते हैं तो निर्देशक अधिक राशि को अग्रिम याचना के रूप में रोक सकते हैं। जिसको भविष्य में याचना/याचनाओं के विरुद्ध समायोजित किया जायेगा। इसमें निम्न राजनामचा प्रविष्टि की जाती है

अंश आवेदन खाता नाम
अग्रिम याचना खाता से
(अंशों की रोकी गई आधिक्य प्रार्थना राशि का अग्रिम याचना में समायोजन)

### विकल्प II

### *आवेदन पत्रों की आंशिक स्वीकृति (Partial acceptance of Applications)*

कुछ स्थितियों में कंपनी आवेदन पत्रों को आंशिक रूप से स्वीकार करती है। इसका अभिप्राय यह हुआ कि कंपनी को जितने अंशों के लिए प्रार्थना पत्र भेजे गये हैं उनका पूरा आबंटन नहीं करती है। उदाहरण के लिए यदि किसी आवेदन में 5000 अंशों के लिए आवेदन किया था तथा उसे 2000 अंश आबंटित किये गये तब यह कहा जा सकता है कि आवेदन आंशिक रूप से स्वीकार किया गया। कंपनी ऐसा सूत्र निकाल सकती है जिसके अनुसार प्रार्थना पत्रों को आंशिक रूप से स्वीकार किया जायें अथवा अनुपातिक आबंटन किया जाये। अनुपातिक आबंटन (Prorata allotment) का अभिप्राय है कि आवेदकों को अंशों का अनुपातिक आबंटन किया गया है। इस स्थिति में कंपनी आवेदन पर प्राप्त अधिक अंश राशि को आंशिक स्वीकृत आवेदन पर देय अंश आबंटन राशि में समायोजित करती हैं। प्रार्थना पत्र राशि को अंश आबंटन राशि में समायोजन करने के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है :

अंश आवेदन खाता नाम
अंश आबंटन खाता से
(अंशों की आवेदन राशि का अंश आबंटन खाते में हस्तान्तरण)

### उदाहरण 2

दि फुल हैल्थ केयर लि. ने ₹ 100 प्रति अंश के 20,000 अंश जनसाधारण को अभिदान हेतु प्रस्तावित किये जिन पर भुगतान इस प्रकार किया जाना था : आवेदन पर ₹ 30 प्रति अंश, आबंटन पर ₹ 30 प्रति अंश तथा शेष याचना पर 30,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। 5,000 अंशों के लिए आवेदन पूरी तरह अस्वीकृत कर दिये तथा प्रार्थना राशि लौटा दी गई। शेष आवेदकों को प्रस्तावित अंशों का आबंटन कर दिया गया। उनकी अधिक प्रार्थना राशि को आबंटन पर देय राशि में समायोजित कर दिया गया। याचना राशि मांगी गई तथा समय पर प्राप्त हुई। कंपनी की लेखा बहियों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

टिप्पणी

हल :

**दि फुल हैल्थ केयर लि.**
**रोजनामचा प्रविष्टियां**

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | नाम राशि (₹) | जमा राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बैंक खाता नाम | | 9,00,000 | |
| | अंश आवेदन खाता से | | | 9,00,000 |
| | (3,00,000 अंशों के लिए ₹ 30 प्रति अंश से प्रार्थना राशि प्राप्त हुई) | | | |
| 2. | अंश आवेदन खाता नाम | | 9,00,000 | |
| | अंश पूँजी खाता से | | | 6,00,000 |
| | बैंक खाता से | | | 1,50,000 |
| | अंश आबंटन खाता से | | | 1,50,000 |
| | (2,00,000 अंशों के लिये प्रार्थना राशि का पूँजी खाता में हस्तान्तरण 5,000 की राशि लौटा दी गई तथा शेष 5,000 की राशि आबंटन खाता में समायोजित किया गया) | | | |
| 3. | अंश आबंटन खाता नाम | | 6,00,000 | |
| | अंश पूँजी खाता से | | | 6,00,000 |
| | (आबंटन राशि देय) | | | |
| 4. | बैंक खाता नाम | | 6,00,000 | |
| | अंश आबंटन खाता से | | | 6,00,000 |
| | (आबंटन राशि प्राप्त हुई) | | | |
| 5. | अंश प्रथम एवं अंतिम याचना खाता नाम | | 8,00,000 | |
| | पूँजी खाता से | | | 8,00,000 |
| | (याचना राशि देय) | | | |
| 6. | बैंक खाता नाम | | 8,00,000 | |
| | अंश प्रथम एवं अंतिम याचना खाता से | | | 8,00,000 |
| | (याचना राशि प्राप्त हुई) | | | |

टिप्पणी

## पाठगत प्रश्न 27.2

*निम्नलिखित वाक्यांशों में रिक्त स्थानों में शब्द/शब्दों से पूर्ति कीजिए :*

i. जब कंपनी अभिदान हेतु प्रस्तावित अंशों की संख्या से अधिक संख्या के लिए आवेदन प्राप्त करती है तो इसे ..... की स्थिति कहते हैं।

ii. जब अंश राशि दो या दो से अधिक किश्तों में प्राप्त होती है तो पहली किश्त को .... ..... कहते हैं।

iii. याचना कंपनी की वह मांग है जिसमें वह अंश धारकों से ..... राशि के भुगतान के लिए कहती है।

iv. कोई कंपनी ..... किये गये अंशों से अधिक का आबंटन करती है।

## 27.3 अंशों का अधिमूल्य पर जारी करना

कंपनी अपने अंशों का निर्गमन उनके अंकित मूल्य (face value) पर कर सकती है। इन्हें सममूल्य पर जारी करना कहते हैं। कंपनी अपने अंशों का निर्गमन अंकित मूल्य से अधिक अथवा कम मूल्य पर अर्थात क्रमशः अधिमूल्य (प्रीमियम) पर अथवा बट्टे (discount) पर निर्गमन कर सकती है।

जब अंशों को अधिमूल्य पर अथवा बट्टे पर जारी किया जाता है तो इसका लेखा अंशों के सममूल्य पर जारी करने से भिन्न होता है। आइए अंशों के अधिमूल्य पर निर्गमन का वर्णन करें :

### अंशों का अधिमूल्य पर जारी करना (Issue of shares at premium)

यदि कंपनी अंशों को उनके अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर जारी करती है तो इसे अंशों का अधिमूल्य पर निर्गमन कहा जाता है। निर्गमन मूल्य तथा अंकित मूल्य के अन्तर को अधिमूल्य (प्रीमियम) कहते हैं। यदि 10 रुपये का अंश 12 रुपये में जारी किया जाता है तो इसे दो रुपये प्रीमियम पर जारी करना कहा जायेगा। जो राशि प्रीमियम के रूप में प्राप्त होती है उसे प्रतिभूति प्रीमियम (Securities premium) खाते में हस्तान्तरित किया जाता है। कंपनी अपने अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन तभी करती है जबकि उसकी वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हो। कंपनी के लिए यह पूँजीगत आय है। कंपनी प्रीमियम की राशि को प्रार्थना राशि, आबंटन अथवा याचनाओं के साथ मांग सकती है।

कंपनी अधिनियम ने प्रतिभूति प्रीमियम खाते में जमा राशि के उपयोग करने पर कुछ प्रतिबंध लगए हैं।

टिप्पणी

अधिनियम की धारा 78 के अनुसार प्रीमियम की राशि को निम्न के लिए उपयोग में लाया जा सकता है :

(i) पूर्णप्रदत्त बोनस अंशों के निर्गमन के लिए

(ii) प्रारम्भिक व्यय, अंशों के निर्गमन पर बट्टे की राशि, अभिगोपन कमीशन अथवा निर्गमन व्यय अपलिखित करने हेतु

(iii) पूर्वाधिकार अंश तथा ऋणपत्रों के शोधन पर प्रीमियम के भुगतान के लिए

(iv) कंपनी प्रीमियम की पूरी राशि को एक से अधिक किश्तों में मांग सकती है।

यदि कंपनी उस याचना विशेष को निर्दिष्ट नहीं करती है जिसके साथ प्रीमियम राशि का भुगतान किया जाता है तो माना जायेगा कि इसको आबंटन के समय मांगा गया है।

## अंशों के निर्गमन पर प्रीमियम का लेखांकन (Accounting Treatment of premium on Issue of Shares)

अंशों के अधिमूल्य पर निर्गमन पर निम्न लेखांकन किया जायेगा।

**(क) प्रतिभूति प्रीमियम (Securities premium) राशि प्रार्थना राशि के साथ प्राप्त हुई:** यदि प्रतिभूति प्रीमियम की राशि प्रार्थना राशि के साथ एकत्रित की गई है तथा कंपनी ने अंशों के आबंटन का निर्णय लिया है तो नीचे दी गई रोजनामचा प्रविष्टि की जायेगी :

अंश आवेदन खाता नाम

प्रतिभूति प्रीमियम खाता से

(आवेदन के साथ प्राप्त प्रतिभूति प्रीमियम राशि को प्रतिभूति प्रीमियम खाते में हस्तान्तरण)

**(ख) प्रीमियम की राशि का आबंटन अथवा याचना के साथ प्राप्ति :** यदि कंपनी प्रीमियम राशि को अंशों के आबंटन अथवा/एवं याचना राशि के साथ मांगती है तो रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

अंश आबंटन खाता नाम

या/एवं

अंश याचना खाता नाम

प्रतिभूति प्रीमियम खाता से

(अंशों पर ₹ .............. प्रति अंश से अंश अधिमान देय का समायोजन)

टिप्पणी

**उदाहरण 3**

लक्जरी कार लि. ₹ 10 प्रति के 1,00,000 अंश ₹ 5 प्रीमियम पर निर्गमित किए जिनका भुगतान इस प्रकार होना था

आवेदन पर ₹ 4 (₹ 2 प्रीमियम सहित) प्रति अंश

आबंटन पर ₹ 8 (₹ 3 प्रीमियम सहित) प्रति अंश

याचना पर ₹ 3 प्रति अंश

1,00,000 अंशों के लिए प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए तथा सभी को अंशों का आबंटन कर दिया गया। रोजनामचा में प्रविष्टियाँ कीजिए।

**हल**

**लक्जरी कारस् लि.**
**रोजनामचा**

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *नाम राशि (₹)* | *जमा राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बैंक खाता नाम | | 4,00,000 | |
| | अंश आवेदन खाता से | | | 4,00,000 |
| | (1,00,000 अंश पत्र प्रार्थना राशि प्राप्त) | | | |
| 2. | अंश आवेदन खाता नाम | | 4,00,000 | |
| | अंश पूँजी खाता से | | | 2,00,000 |
| | प्रतिभूति प्रीमियम खाता से | | | 2,00,000 |
| | (प्रार्थना राशि का अंश पूँजी खाता एवं प्रतिभूति प्रीमियम खातों में हस्तान्तरण) | | | |
| 3. | अंश आबंटन खाता नाम | | 8,00,000 | |
| | अंश पूँजी खाता से | | | 5,00,000 |
| | प्रतिभूति प्रीमियम खाता से | | | 3,00,000 |
| | (1,00,000 अंश पर आबंटन राशि देय ₹ 3 प्रति अंश अंश प्रीमियम राशि सहित) | | | |
| 4. | बैंक खाता नाम | | 8,00,000 | |
| | अंश आबंटन खाता से | | | 8,00,000 |
| | (1,00,000 अंश पर 8 प्रति अंश से आबंटन राशि प्राप्त) | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 5. | अंश प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता नाम<br>अंश पूँजी खाता से<br>(1,00,000 अंशों पर 3 प्रति अंश याचना की गई) | | 3,00,000 | 3,00,000 |
| 6. | बैंक खाता नाम<br>प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से<br>(1,00,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश से याचना राशि प्राप्त हुई) | | 3,00,000 | 3,00,000 |

## पाठगत प्रश्न 27.3

*रिक्त स्थानों में उचित शब्द एवं अंक भरिए :*

(i) प्रतिभूति प्रीमियम कंपनी का ..... होता है।

(ii) यदि आबंटन पर ₹ 5 प्रति अंश मांगे गये हैं, जिसमें ₹ 2 प्रीमियम के सम्मिलित है तो अंश पूँजी खाता के जमा में ₹ ..... लिखे जायेगें।

(iii) एक कंपनी अपने ₹ 50 प्रति वाले अंशों को ₹ 60 पर निर्गमित करती है। ₹ 10 की आधिक्य राशि ..... है।

(iv) यदि ₹ 100 प्रति के अंशें पर ₹ 20 प्रीमियम राशि है तो अंश पूँजी खाते के जमा में ..... प्रति अंश जमा किये जायेंगे।

### उदाहरण 4

सुनीता लिमिटेड ₹ 50,00,000 की अधिकृत पूँजी, जो ₹ 100 वाले 50,000 अंशों में विभाजित थी, के साथ पंजीकृत हुई। कंपनी ने ₹ 20 प्रति अंश अधिलाभ पर 20,000 अंश निर्गमित किए। आवेदन पर ₹ 40, आबंटन (अधिलाभ सहित) पर ₹ 40, प्रथम माँग पर ₹ 20 एवं द्वितीय तथा अंतिम मांग पर ₹ 20 की धनराशि प्राप्य थी। सभी अंश अभिदत्त हुए तथा संपूर्ण धनराशि प्राप्त हुई। अंश निर्गमन व्यय ₹ 20,000 थे जो प्रतिभूति अधिलाभ संचय खाते से पूर्णतः अपलेखित कर दिए गए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए एवं बैंक खाता, प्रतिभूति अधिलाभ खाता तथा आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

टिप्पणी

हल :

रोजनामचा

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | नाम राशि (₹) | जमा राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|
| | बैंक खाता नाम<br>अंश आवेदन खाते से<br>(20,000 अंशों पर ₹ 40 प्रति अंश की दर से आवेदन राशि प्राप्त हुई) | | 8,00,000 | 8,00,000 |
| | अंश आवेदन खाता नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>(आवेदन राशि का अंश पूँजी खाते में हस्तांतरण) | | 8,00,000 | 8,00,000 |
| | अंश आबंटन खाता नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>प्रतिभूति अधिलाभ संचय खाते से<br>(अधिलाभ सहित आबंटन राशि देय) | | 8,00,000 | 4,00,000<br>4,00,000 |
| | बैंक खाता नाम<br>अंश आबंटन खाते से<br>(अधिलाभ सहित आबंटन राशि प्राप्त) | | 8,00,000 | 8,00,000 |
| | अंश प्रथम मांग नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>(20,000 अंशों पर ₹ 20 प्रति अंश की दर से प्रथम माँग देय) | | 4,00,000 | 4,00,000 |
| | बैंक खाता नाम<br>अंश प्रथम माँग खाते से<br>(अंश प्रथम माँग राशि प्राप्त हुई) | | 4,00,000 | 4,00,000 |
| | अंश द्वितीय व अंतिम माँग खाता नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>(20,0000 अंशों पर ₹ 20 प्रति अंश की दर से द्वितीय व अंतिम माँग देय) | | 4,00,000 | 4,000 |
| | बैंक खाता नाम<br>अंश द्वितीय व अंतिम माँग खाते से<br>(द्वितीय व अंतिम मांग राशि प्राप्त हुई) | | 4,00,000 | 4,00,000 |

*टिप्पणी*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | अंश निर्गमन व्यय खाता नाम<br>बैंक खाते से<br>(अंश निर्गमन व्ययों का भुगतान किया) | | 20,000 | 20,000 |
| | अंश अधिलाभ संचय खाता नाम<br>अंश निर्गमन व्यय खाते से<br>(अंश निर्गमन व्ययों का अपलेखन अंश अधिलाभ संचय खाते से किया) | | 20,000 | 20,000 |

**बैंक खाता**

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| अंश आवेदन खाता | 8,00,000 | अंश निर्गमन व्यय | 20,000 |
| अंश आबंटन खाता | 8,00,000 | अंतिम शेष | 23,80,000 |
| अंश प्रथम माँग खाता | 4,00,000 | | |
| अंश द्वितीय माँग खाता | 4,00,000 | | |
| | 24,00,000 | | 24,00,000 |

**प्रतिभूति अधिलाभ संचय खाता**

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| अंश निर्गमन व्यय खाता | 20,000 | अंश आबंटन खाता | 4,00,000 |
| अंतिम शेष | 3,80,000 | | |
| | 4,00,000 | | 4,00,000 |

**सुनीता लिमिटेड का आर्थिक चिट्ठा**
***दिनांक ............................ को***

| *विवरण* | *नोट* | *₹* |
|---|---|---|
| **I. समता एवं देयताएँ** | | |
| ***(1) अंशधारक निधि*** | | |
| (क) अंश पूँजी | 1 | 20,00,000 |
| (ख) संचय एवं आधिक्य | 2 | 3,80,000 |

टिप्पणी

*नोट 1*

**अंश पूँजी**

***अधिकृत पूँजी***

| | |
|---|---|
| 50,000 समता अंश ₹ 100 प्रत्येक | 50,00,000 |

***निर्गमित पूँजी***

| | |
|---|---|
| 20,000 समता अंश ₹ 100 प्रत्येक | 20,00,000 |

**अभिदत्त पूँजी**

***अभिदत्त तथा पूर्ण प्रदत्त***

| | |
|---|---|
| 20,000 समता अंश ₹ 100 प्रत्येक | 20,00,000 |

*नोट 2*

**संचय एवं आधिक्य**

| | |
|---|---|
| प्रतिभूति अधिलाभ संचय | 3,80,000 |

**कंपनी के आर्थिक चिट्ठे में अंश पूँजी का दर्शाया जाना (लम्बत रूप)**

कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची VI भाग I के अनुसार एक कंपनी के आर्थिक चिट्ठे में अंश पूँजी निम्न प्रकार दर्शाई जाती है :

**कंपनी का आर्थिक चिट्ठा (लिया गया अंश)**
***दिनांक ..... को***

| *विवरण* | *नोट संख्या* | *₹* |
|---|---|---|
| **I. समता तथा देयताएँ** | | |
| ***(1) अंशधारक निधि*** | | |
| (क) अंश पूँजी | | |
| (ख) संचय एवं आधिक्य | | |
| (ग) अंश वारंट के विरूद्ध प्राप्त धनराशि | | |
| ***(2) आबंटन लंबित अंश आवेदन राशि*** | | |

*टिप्पणी :*

आर्थिक चिट्ठे के केवल मुख्य पृष्ठ पर अंश पूँजी दर्शाई जाती है तथा अंश पूँजी से संबंधित अन्य सूचनाएँ 'नोट्स टू अकाउंट्स' में दर्शाई जाती हैं।

टिप्पणी

**उदाहरण 5**

ABC लिमिटेड ने ₹ 10 वाले 80,000 समता अंशों हेतु आवेदन आमंत्रित किए। धनराशि इस प्रकार देय थी :

आवेदन पर ₹ 3; आबंटन पर ₹ 3; प्रथम मांग पर ₹ 2 तथा द्वितीय व अंतिम मांग पर ₹ 2।

सभी अंश आवेदित हुए तथा आबंटन व मांगों पर संपूर्ण धनराशि प्राप्त हुई। अंश निर्गमन व्यय ₹ 8,000 थे। आपसे अपेक्षा है कि आप ABC लिमिटेड का रोजनामचा, खाते तथा आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

**हल :**

**रोजनामचा**

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | नाम राशि (₹) | जमा राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|
| | बैंक खाता नाम<br>अंश आवेदन खाते से<br>(80,000 अंशों पर ₹ 3 प्रत्येक की दर से आवेदन राशि प्राप्त हुई) | | 2,40,000 | 2,40,000 |
| | अंश आवेदन खाता नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>(आवेदन राशि का अंश पूँजी खाते में हस्तांतरण) | | 2,40,000 | 2,40,000 |
| | अंश आबंटन खाता नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>(80,000 अंशों पर ₹ 3 प्रत्येक की दर से आबंटन राशि देय हुई) | | 2,40,000 | 2,40,000 |
| | बैंक खाता नाम<br>अंश आबंटन खाते से<br>(आबंटन राशि प्राप्त हुई) | | 2,40,000 | 2,40,000 |
| | अंश प्रथम मांग खाता नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>(80,000 अंशों पर ₹ 2 की दर से मांग राशि देय हुई) | | 1,60,000 | 1,60,000 |

टिप्पणी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | बैंक खाता नाम<br>अंश प्रथम मांग खाते से<br>(प्रथम मांग राशि प्राप्त हुई) | | 1,60,000 | <br>1,60,000 |
| | अंश द्वितीय व अंतिम मांग खाता नाम<br>अंश पूँजी खाते से<br>(80,000 अंशों पर ₹ 2 प्रत्येक की दर से द्वितीय व अंतिम मांग राशि देय हुई) | | 1,60,000 | <br>1,60,000 |
| | बैंक खाता नाम<br>अंश द्वितीय व अंतिम मांग खाते से<br>(द्वितीय व अंतिम मांग राशि प्राप्त हुई) | | 1,60,000 | <br>1,60,000 |
| | अंश निर्गमन व्यय नाम<br>बैंक खाते से<br>(अंश निर्गमन व्ययों का भुगतान किया) | | 8,000 | <br>8,000 |

**बैंक खाता**

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| अंश आवेदन खाता | 2,40,000 | अंश निर्गमन व्यय | 8,000 |
| अंश आबंटन खाता | 2,40,000 | अंतिम शेष आ. ले. | 7,92,000 |
| अंश प्रथम मांग खाता | 1,60,000 | | |
| अंश द्वितीय व अंतिम मांग खाता | 1,60,000 | | |
| | 8,00,000 | | 8,00,000 |

**अंश आवेदन खाता**

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| अंश पूँजी खाता | 2,40,000 | बैंक खाता | 2,40,000 |
| | 2,40,000 | | 2,40,000 |

टिप्पणी



### अंश आबंटन खाता

नाम जमा

| विवरण | राशि (₹) | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| अंश पूँजी खाता | 2,40,000 | बैंक खाता | 2,40,000 |
| | 2,40,000 | | 2,40,000 |

### अंश प्रथम मांग खाता

नाम जमा

| विवरण | राशि (₹) | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| अंश पूँजी खाता | 1,60,000 | बैंक खाता | 1,60,000 |
| | 1,60,000 | | 1,60,000 |

### अंश द्वितीय व अंतिम मांग खाता

नाम जमा

| विवरण | राशि (₹) | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| अंश पूँजी खाता | 1,60,000 | बैंक खाता | 1,60,000 |
| | 1,60,000 | | 1,60,000 |

### अंश पूँजी खाता

नाम जमा

| विवरण | राशि (₹) | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| अंतिम शेष आ. ले. | 8,00,000 | अंश आवेदन खाता | 2,40,000 |
| | | अंश आबंटन खाता | 2,40,000 |
| | | अंश प्रथम मांग खाता | 1,60,000 |
| | | अंश अंतिम मांग खाता | 1,60,000 |
| | 8,00,000 | | 8,00,000 |

टिप्पणी

## अंश निर्गमन व्यय खाता

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| बैंक खाता | 8,000 | अंतिम शेष आ. ले. | 8,000 |
| | 8,000 | | 8,000 |

## ABC लिमिटेड का आर्थिक चिट्ठा

*दिनांक ..... को*

| *विवरण* | *नोट* | *₹* |
|---|---|---|
| **I. समता एवं देयताएँ** | | |
| **(1) अंशधारक निधि** | | |
| (क) अंशधारक निधि | 1 | 8,00,000 |
| **II. संपत्तियाँ** | | |
| **(1) अचल संपत्तियाँ** | | |
| (क) अन्य अंचल संपत्तियाँ | 2 | 8,000 |

*नोट 1*

**अंश पूँजी**

*अधिकृत पूँजी*

..... समता अंश ₹ 10 प्रत्येक .....

*निर्गमित पूँजी*

80,000 समता अंश ₹ 10 प्रत्येक 8,00,000

**अभिदत्त पूँजी**

*अभिदत्त तथा पूर्ण प्रदत्त*

80,000 समता अंश ₹ 10 प्रत्येक 8,00,000

*नोट 2*

**अन्य अचल संपत्तियाँ**

*अपरिशोधित व्यय*

अंश निर्गमन व्यय 8,000

टिप्पणी

## 27.4 अंशों का बट्टे पर निर्गमन (Issue of Shares at Discount)

जब अंशों का निर्गमन मूल्य उनके अंकित मूल्य से कम है तो अंशों का बट्टे पर निर्गमन कहा जायेगा। उदाहरण के लिए यदि कंपनी अपने ₹ 100 के अंश का ₹ 90 में निर्गमन करती है तो हम कहेंगे कि अंशों का बट्टे पर निर्गमन किया गया है। यहाँ बट्टे की राशि ₹ 10 प्रति अंश है (अर्थात ₹ 100 - ₹ 90) अंशों पर बट्टा कंपनी के लिए हानि है।

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 79 में कुछ शर्तें दी गई हैं; जिन पर कंपनी अपने अंशों को बट्टे पर जारी कर सकती है।

यह शर्तें इस प्रकार हैं :

(i) व्यवसाय आरम्भ करने की पात्रता की तिथि से कम से कम एक वर्ष का समय हो चुका हो;

(ii) ऐसे अंश उसी श्रेणी के हों जो कंपनी पहले जारी कर चुकी हो;

(iii) कंपनी ने उसको अपनी साधारण सभा में प्रस्ताव पास कर स्वीकृति प्रदान कर दी हो तथा केंद्रीय सरकार ने इसका अनुमोदन कर दिया हो;

(iv) बट्टे की दर 10% से अधिक न हो। यदि कंपनी ने 10% से अधिक बट्टा देने का इरादा किया है तो इसकी केन्द्रीय सरकार से अनुमति लेनी होगी।

### अंशों के बट्टे पर निर्गमन का लेखांकन व्यवहार (Accounting Treatment of Shares Issued at Discount)

बट्टे की राशि को साधारणतया अंश आबंटन राशि के साथ निम्न रोजनामचा प्रविष्टि करके समायोजित किया जाता है :

| | | |
|---|---|---|
| अंश आबंटन खाता | | नाम |
| अंश बट्टा खाता | | नाम |
| | अंश पूंजी खाता से | |
| (₹ ..... प्रति अंश के ..... अंशों पर ₹ ..... | | |
| प्रति अंश बट्टा काटकर आबंटन राशि देय) | | |

### उदाहरण 6

श्री कृष्ण एगरो केमीकल लि. को ₹ 50,00,000 के पूँजी से पंजीकृत कराया गया जो ₹ 100 प्रति अंश के 50,000 अंशों में विभक्त थी। इसमें 10,000 अंश ₹ 10 प्रति अंश बट्टे पर जारी किए जिन पर भुगतान इस प्रकार होना था।

₹ 40 प्रति अंश आवेदन पर

₹ 30 प्रति अंश आबंटन पर

₹ 20 प्रति अंश याचना पर

टिप्पणी

कंपनी को 15,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। 12,000 अंशों के प्राथना पत्रों पर 10,000 अंशों का आबंटन किया गया तथा शेष आवेदकों को खेद पत्र भेज दिये गये तथा उनकी आवेदन राशि को लौटा दिया गया। याचना राशि मांगी गई। आबंटन राशि एवं याचना राशि समय पर प्राप्त हुई। कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

**हल :**

**श्री कृष्ण एग्रो केमीकल्स लि.**
**रोजनामचा प्रविष्टियां**

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *नाम राशि (₹)* | *जमा राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बैंक खाता नाम<br>  अंश आवेदन खाता से<br>(15,000 अंशों के लिए ₹ 40 प्रति अंश से आवेदन राशि प्राप्त हुई) | | 6,00,000 | <br>6,00,000 |
| 2. | अंश आवेदन खाता नाम<br>  अंश पूँजी खाता से<br>(10,000 अंशों के लिए प्रार्थना राशि का उनके आबंटन पर अंश पूँजी खाते में हस्तान्तरण) | | 4,00,000 | <br>4,00,000 |
| 3. | अंश आवेदन खाता नाम<br>  अंश आबंटन खाता से<br>  बैंक खाता से<br>(3,000 अंशों की प्रार्थना राशि लौटाई गई एवं 2,000 अंशों की आबंटन राशि में समायोजित की गई) | | 2,00,000 | <br>80,000<br>1,20,000 |
| 4. | अंश आबंटन खाता नाम<br>अंश बट्टा खाता नाम<br>  अंश पूँजी खाता से<br>(अंश आबंटन राशि देय) | | 3,00,000<br>1,00,000 | <br><br>4,00,000 |
| 5. | बैंक खाता नाम<br>  अंश आबंटन खाता से<br>(आबंटन की राशि प्राप्त हुई) | | 2,20,000 | <br>2,20,000 |
| 6. | अंश प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता नाम<br>  अंश प्रथम एवं अन्तिम से<br>(याचना राशि देय) | | 2,00,000 | <br>2,00,000 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 7. | बैंक खाता नाम<br>अंश प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से<br>(याचना राशि प्राप्त हुई) | | 2,00,000 | 2,00,000 |

टिप्पणी

## पाठगत प्रश्न 27.4

*रिक्त स्थानों में उचित शब्द/शब्दों को भरिए :*

(i) अंशों का बट्टे पर निर्गमन कंपनी का ..... होता है।

(ii) एक कंपनी ₹ 100 प्रति अंशों का निर्गमन करती है जिसमें 10% प्रति अंश बट्टे की राशि है। प्रति अंश पर प्राप्त ..... है।

(iii) यदि ₹ 100 प्रति अंश पर 5 रु. बट्टा है तब अंश पूंजी खाता ..... राशि से जमा किया जाएगा।

## 27.5 पूर्वदत्त याचना एवं अदत्त याचना

यदि कोई अंशधारी मांगने से पहले किसी राशि का भुगतान करता है तो इसे पूर्वदत्त याचना कहते हैं। इस राशि को एक अलग खाते में रखा जाता है जिसे 'पूर्वदत्त याचना खाता' (calls in advance account) कहते हैं। इस राशि को कंपनी की पूँजी के रूप में तब तक नहीं दिखाया जाता जब तक कि कंपनी सभी अंश धारकों से मांग न करे। पूर्वदत्त याचना खाते को स्थिति विवरण के दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जाता है। उदाहरण के लिए यदि कोई कंपनी ₹ 10 मूल्य के अंश जारी करती है जिस पर यह ₹ 5 प्रति अंश मांग चुकी है। अब यदि ₹ 5 प्रति अंश के न मांगे गये भाग के विरुद्ध कंपनी ₹ 3 प्रति अंश मांगती है तो याचना के लिए केवल ₹ 3 प्रति अंश से प्रविष्टि की जायेगी। दूसरी ओर यदि एक अंशधारी ₹ 5 प्रति अंश जिसमें ₹ 2 न मांगा गया शेष भी सम्मिलित है भुगतान करता है तो इसका अभिप्राय हुआ कि उसने ₹ 2 प्रतिअंश पूर्वदत्त याचना का भुगतान किया है जिसे पूर्वदत्त याचना खाते के जमा में लिखा जायेगा। कंपनी को इस राशि पर 6% वार्षिक से समायोजन की तिथि तक का ब्याज देना होगा।

### लेखा (Accounting Treatment)

पूर्वदत्त याचना की निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी

बैंक खाता नाम
पूर्वदत्त याचना खाता से
(अंशों पर ₹ ..... प्रति अंश से पूर्वदत्त याचना राशि प्राप्त हुई)

पूर्वदत्त याचना खाते का अन्तिम याचना में समायोजन :

रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

पूर्वदत्त याचना खाता  नाम
    अंश अंतिम याचना खाता से
(पूर्वदत्त याचना राशि का समायोजन)

पूर्वदत्त याचना पर ब्याज का भुगतान

रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

पूर्वदत्त याचना पर ब्याज खाता  नाम
    बैंक खाता से
(पूर्वदत्त याचना पर ब्याज का भुगतान)



**उदाहरण 7**

इन्डिया सॉफ्टवेयर लि. ने 50,000 अंश ₹ 10 प्रति अंश जनसाधारण को प्रस्तावित किए जिनका भुगतान इस प्रकार होना था।

₹ 2 आवेदन पर

₹ 3 आबंटन पर

₹ 2 प्रथम याचना पर तथा शेष आवश्यकता पड़ने पर

सभी अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए तथा उन्हें समुचित रुप से आबंटित कर दिया गया। एक अंशधारी मुकेश ने अपने 200 अंशों की पूरी राशि आबंटन राशि के साथ भुगतान कर दी।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

**हल :**

**इन्डिया सॉफ्टवेयर लि.**
**रोचनामचा प्रविष्टियां**

| तिथि | विवरण | खा.पृ. सं. | नाम राशि (₹) | जमा राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|
| | बैंक खाता  नाम<br>अंश आवेदन खाता से<br>(50,000 अंशों के लिए ₹ 2 प्रति अंश से प्रार्थना राशि प्राप्त हुई) | | 1,00,000 | 1,00,000 |
| | अंश आवेदन खाता  नाम<br>अंश पूँजी खाता से<br>(अंशों के आबंटन पर आवेदन राशि का अंश पूँजी खाता में हस्तान्तरण) | | 1,00,000 | 1,00,000 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| अंश आबंटन खाता नाम | | 1,50,000 | |
| पूँजी खाता से | | | 1,50,000 |
| (50,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश से आबंटन राशि देय हुई) | | | |
| बैंक खाता नाम | | 1,51,000 | |
| अंश आबंटन खाता से | | | 1,50,000 |
| पूर्वदत्त याचना खाता से | | | 1,000 |
| (आबंटन राशि ₹ 3 प्रति अंश से प्राप्त हुई एवं 200 अंशों पर ₹ 5 प्रति अंश पूर्वदत्त राशि प्राप्त हुई) | | | |
| अंश प्रथम याचना खाता नाम | | 1,00,000 | |
| अंश पूँजी खाता से | | | 1,00,000 |
| (50,000 अंशों पर ₹ 2 प्रति अंश प्रथम याचना राशि प्राप्त हुई) | | | |
| बैंक खाता नाम | | 99,600 | |
| पूर्वदत्त याचना खाता नाम | | 400 | |
| अंश प्रथम याचना खाता से | | | 1,00,000 |
| (49,800 अंशों पर प्रथम याचना राशि प्राप्त हुई तथा 200 अंशों पर प्राप्त पूर्वदत्त याचना राशि का समायोजन किया गया।) | | | |

## अदत्त याचना (Calls in Arrears)

जब कंपनी अंश धारकों को आबंटन तथा याचना राशियों का भुगतान करने का नोटिस देती है तो उन्हें इसका निश्चित अवधि में भुगतान करना होता है। यदि अंश धारकों ने इनका भुगतान नहीं किया है तो अदत्त राशि उन पर देय हो जाती है। इस बकाया राशि को अदत्त याचना राशि कहते हैं। इसे 'अदत्त' याचना खाता (Calls in arrears A/c) में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। देय राशि के प्राप्त न होने की तिथि से इसके प्राप्त हो जाने की तिथि के बीच की अवधि के लिए कंपनी को अदत्त राशि पर 5% वार्षिक से ब्याज लेने का अधिकार होता है।

## लेखा (Accounting Treatment)

अदत्त राशि का लेखा करने के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जायेगी :

अदत्त याचना खाता नाम
अंश आबंटन/याचना खाता से
(..... अंशों पर आबंटन/याचना पर देय राशि प्राप्त नहीं हुई)

टिप्पणी

बाद में जब अदत्त राशि प्राप्त होती है तो निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है :

बैंक खाता नाम
अदत्त खाता से
(आबंटन/याचना पर देय राशि में से बकाया राशि प्राप्त हुई)

### अदत्त याचना राशि पर कंपनी द्वारा ब्याज लगाना

कंपनी अदत्त याचना राशि पर निर्धारित दर से ब्याज लगा सकती है जब तक कि उसका भुगतान न किया जाय। ब्याज लगाने पर रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी –

बैंक खाता नाम
अदत्त याचना पर ब्याज खाता से
(..... के अदत्त याचना राशि पर 10% वार्षिक
की दर से ..... महीने का ब्याज)

### उदाहरण 8

एक्स लि. ने ₹ 20 प्रति अंश से राशि की मांग 17 जुलाई 2006 को की। जाहिर, जो 200 अंशों का धारक था याचना राशि का भुगतान नहीं कर सका। उसने इसका भुगतान 31 दिसम्बर, 2006 को किया। कंपनी ने 12% वार्षिक की दर से उस पर ब्याज लिगाया। कंपनी द्वारा लगाए गये ब्याज की रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

**हल :**

देय ब्याज की राशि = $4,000 \times \frac{12}{100} \times \frac{6}{12}$ = ₹ 240

**रोजनामचा प्रविष्टि**

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *नाम राशि (₹)* | *जमा राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| | बैंक खाता नाम<br>अदत्त याचना पर ब्याज खाता से<br>(अदत्त याचना राशि पर ब्याज प्राप्त हुआ) | | 240 | <br><br>240 |

### उदाहरण 9

ए. बी. सी. लि. ने 20,000 अंश ₹ 10 प्रति अंश से निर्गमित किए जिन पर भुगतान इस प्रकार से किया जाना है ₹ 2 प्रति अंश आवेदन पर, ₹ 5 प्रति अंश (₹ 2 प्रति अंश प्रीमियम राशि सम्मिलित) आबंटन पर, ₹ 3 प्रति अंश प्रथम याचना तथा शेष अन्तिम याचना पर।

टिप्पणी

सभी राशि प्राप्त हुई केवल 400 अंशों पर प्रथम याचना नहीं प्राप्त हुई जो बाद में अन्तिम याचना राशि के साथ प्राप्त हुई।

रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

**हल :**

**रोजनामचा प्रविष्टियां**

| तिथि | विवरण | | खा.पृ. सं. | नाम राशि (₹) | जमा राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | बैंक खाता | नाम | | 40,000 | |
| | अंश आवेदन खाता से | | | | 40,000 |
| | (20,000 अंशों के लिए ₹ 2 प्रति अंश से प्रार्थना राशि प्राप्त हुई) | | | | |
| 2. | अंश आवेदन खाता | नाम | | 40,000 | |
| | अंश पूँजी खाता से | | | | 40,000 |
| | (20,000 अंशों पर प्राप्त प्रार्थना राशि का आबंटन पर पूँजी खाता में हस्तान्तरण) | | | | |
| 3. | अंश आबंटन खाता | नाम | | 1,00,000 | |
| | अंश पूँजी खाता से | | | | 60,000 |
| | प्रतिभूति प्रीमियम खाता से | | | | 40,000 |
| | (20,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति से ₹ 2 प्रीमियम सम्मिलित आबंटन राशि प्राप्त हुई) | | | | |
| 4. | बैंक खाता | नाम | | 1,00,000 | |
| | अंश आबंटन खाता से | | | | 1,00,000 |
| | (अंश आबंटन राशि प्राप्त हुई) | | | | |
| 5. | अंश प्रथम याचना खाता | नाम | | 60,000 | |
| | अंश पूँजी खाता से | | | | 60,000 |
| | (20,000 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश याचना राशि देय) | | | | |
| 6. | अदत्त याचना खाता | नाम | | 1,200 | |
| | बैंक खाता | नाम | | 58,800 | |
| | अंश प्रथम याचना खाता से | | | | 60,000 |
| | (19,600 अंशों पर ₹ 3 प्रति अंश से याचना राशि प्राप्त हुई) | | | | |

टिप्पणी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 7. | अंश अंतिम याचना खाता नाम<br>अंश पूँजी खाता से<br>(20,000 अंशों पर ₹ 2 प्रति अंश से अन्तिम याचना राशि प्राप्त हुई) | | 40,000 | <br>40,000 |
| 8. | बैंक खाता नाम<br>अंश अन्तिम याचना खाता से<br>अदत्त याचना खाता से<br>(प्रति अंश अंतिम याचना राशि 400 अंशों की अदत्त प्रथम याचना राशि सहित प्राप्त) | | 41,200 | <br>40,000<br>1,200 |

**उदाहरण 10**

दि प्रोगरैसिव इन्डस्ट्रीज लि. का ₹ 50,00,000 पूँजी से पंजीकृत कराई गई 20,000 अंश ₹ 100 प्रति से निर्गमित गये जिन पर राशि देय इस प्रकार थी।

₹ 25 आवेदन पर, ₹ 25 आबंटन पर तथा शेष प्रथम एवं अन्तिम याचना पर तथा 10,000 9% पूर्वाधिकार अंश ₹ 100 प्रतिअंश से निर्गमित किए जिन पर ₹ 50 आवेदन एवं आबंटन पर एवं ₹ 25 प्रति से दो याचना तथा उन्हें आबंटित किया गया। सभी राशि प्राप्त हुई।

कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

**हल**

**प्रोगरैसिव इन्डस्ट्रीज लि.**

| *तिथि* | *विवरण* | *खा.पृ. सं.* | *नाम राशि (₹)* | *जमा राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बैंक खाता नाम<br>समता अंश आवेदन खाता से<br>9% पूर्वाधिकार अंश आवेदन एवं आबंटन खाता से<br>(2,000 समता अंशों के लिए ₹ 25 प्रति अंश एवं 10,000 9% पूर्वाधिकार अंशों पर ₹ 50 प्रति अंश आवेदन पर प्राप्त हुए) | | 10,00,000 | <br>5,00,000<br>5,00,000 |
| 2. | समता अंश आवेदन खाता नाम<br>9% पूर्वाधिकार अंश आवेदन एवं आबंटन खाता नाम<br>समता अंश पूँजी खाता से<br>9% पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता से<br>(आवेदन राशि का पूँजी खातों में हस्तान्तरण) | | 5,00,000<br>5,00,000 | <br><br>5,00,000<br>5,00,000 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 3. | समता अंश आबंटन खाता नाम<br>समता अंश पूँजी खाता से<br>(20,000 समता अंश पर ₹ 25 प्रति अंश आबंटन राशि देय) | | 5,00,000 | <br>5,00,000 |
| 4. | 9% पूर्वाधिकार अंश प्रथम याचनानाम<br>9% पूर्वाधिकार अंशपूँजी खाता से<br>(10000 9% पूर्वाधिकार अंशों पर ₹ 25 प्रतिअंश प्रथम याचना देय) | | 2,50,000 | <br>2,50,000 |
| 5. | बैंक खाता नाम<br>समता अंश आबंटन खाता से<br>9% पूर्वाधिकार अंश प्रथम याचना खाता से<br>(समता अंशों पर आबंटन एवं 9% पूर्वाधिकार अंशों पर प्रथम याचना राशि प्राप्त हुई) | | 7,50,000 | <br>5,00,000<br>2,50,000 |
| 6. | समता अंश प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता नाम<br>9% पूर्वाधिकार अंश अन्तिम याचना खाता नाम<br>समता अंश पूँजी खाता से<br>9% पूर्वाधिकार अंश खाता से<br>(प्रथम एवं अन्तिम याचना समता अंशों पर अन्तिम याचना पूर्वाधिकर अंशों परदेय) | | 10,00,000<br>2,50,000 | <br><br>10,00,000<br>2,50,000 |
| 7. | बैंक खाता नाम<br>समता अंश प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से<br>9% पूर्वाधिकार अंश अन्तिम याचना से<br>(समता अंशों पर एवं पूर्वाधिकार अंशों पर क्रमशः प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि एवं अन्तिम याचना राशि प्राप्त हुई) | | 12,50,000 | <br>10,00,000<br>2,50,000 |

## पाठगत प्रश्न 27.5

*रिक्त स्थानों में उपयुक्त शब्द अथवा अंक भरिए :*

(i) कंपनी द्वारा मांगी गई याचना राशि का यदि किसी अंशधारी ने भुगतान नहीं किया है तो इसे ..... खाते के नाम में लिखा जाएगा।

टिप्पणी

(ii) एक अंश धारक आबंटन पर ₹ 6 प्रति अंश से भुगतान करता है जिसमें ₹ 2 प्रति अंश अगली याचना के लिए है। यह अतिरिक्त राशि कहलाती ..... है।

(iii) कम्पनी द्वारा अदत्त याचना राशि पर लगाया गया ब्याज को ..... के जमा में लिखा जाएगा।

(iv) पूर्वदत्त याचना राशि पर दिया गया ब्याज ..... के नाम लिखा जाएगा।

## आपने क्या सीखा

- अंश का अंकित मूल्य उसका सममूल्य होता है। अंशों को रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले जारी किया जा सकता है जैसे कि परिसम्पत्ति के क्रय के बदले अथवा लेनदार या प्रवर्तकों का भुगतान के रूप में।
- अंश राशि को एक मुश्त या किश्तों में एकत्रित किया जा सकता है।
- पहली किश्त को आवेदन राशि तथा दूसरी किश्त को अंश आबंटन राशि कहा जाता है।
- यदि अंश राशि को दो से अधिक किश्तों में एकत्रित किया जाता है इसे याचना राशि कहते है।
- अंशों के लिए आवेदन जारी किए गये अंशों की संख्या के बराबर (पूर्ण अभिदान), जारी किए गये अंशों की संख्या से कम (अल्प अभिदान), जारी किए गये अंशों की संख्या से अधिक (आधिक्य अभिदान) के लिए प्राप्त किया जा सकता है।
- जब अंशों को उनके अंकित मूल्य से अधिक पर जारी किया जाता है इन्हें प्रीमियम पर जारी करना कहते हैं प्रीमियम राशि को कंपनी अधिनियम की धारा 78 में निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही उपयोग में लाया जा सकता है।
- जब अंश का उनके अंकित मूल्य से कम पर जारी किया जाता है तो इन्हें बट्टे पर जारी करना कहते हैं। कंपनी अधिनियम की धारा 79 में कुछ शर्तें दी गई है अंशों को बट्टे पर जारी करते समय जिन्हें पूरा करना होता है।
- जब कोई अंशधारी कंपनी द्वारा मांगी गई आबंटन राशि अथवा अंश याचना राशि को मांगने में असमर्थ रहता है तो अंशधारियों के अदत्त शेष को अदत्त याचना कहा जाता है। यदि अंशधारी उस याचना का भुगतान भी कर देता है जो मांगी नहीं गई है तो भुगतान की गई राशि को पूर्वदत्त याचना कहते हैं।

## पाठान्त प्रश्न

1. अंशों के अधिक्य अभिदान (over subscription) से क्या अभिप्राय है? आधिक्य अभिदान राशि के साथ क्या व्यवहार किया जाता है?

टिप्पणी

2. अंशों के प्रीमियम पर जारी करने का क्या अर्थ है? प्रीमियम की राशि का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है बताइए।

3. अंशों के बट्टे पर जारी करने का क्या अर्थ है? कंपनी अधिनियम के अन्तर्गत अंशों के बट्टे पर जारी करने से सम्बन्धित शर्तों को बताइए।

4. संक्षेप में निम्न शब्दों को समझाइए :

   (1) अदत्त याचना

   (2) पूर्वदत्त याचना

5. रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए :

   (क) एक्स, वाई लि. कंपनी, जिसकी पूँजी ₹ 10 के 20,000 अंशों में विभक्त है, ने 6,000 अंश जनसाधारण को जारी किए। पूरी राशि का भुगतान आवेदन के साथ किया जाना था। सभी अंशों का अभिदान हुआ तथा प्रार्थना राशि प्राप्त हुई।

   (ख) एक लिमिटेड कंपनी ने 10,000 समता अंश 100 प्रति अंश निर्गमित किये जिन पर भुगतान इस प्रकार से किया जाना है ₹ 25 प्रति अंश आवेदन राशि, ₹ 25 प्रति अंश आबंटन पर एवं ₹ 25 प्रति अंश प्रति याचना अन्य दो याचनाओं पर सभी राशि समय पर प्राप्त हुई।

   (ग) एक्स लि. ने 10,000 अंश ₹ 10 प्रति अंश ₹ 15 पर निर्गमित किये जिन पर भुगतान इस प्रकार किया जाना था। ₹ 3 आवेदन राशि, ₹ 8 आबंटन पर जिसमें ₹ 5 प्रीमियम का सम्मिलित है एवं ₹ 4 याचना पर। सभी अंशों का अभिदान हुआ, आबंटन किया गया तथा राशि समय पर प्राप्त हुई।

   (घ) एक लिमिटेड कम्पनी ने ₹ 20 प्रति अंश 10,000 अंश 10% बट्टे पर निर्गमित किए। अंशों का भुगतान ₹ 4 प्रति अंश आवेदन राशि, ₹ 8 प्रति अंश आबंटन पर एवं शेष प्रथम याचना पर किया जाना था। सभी राशियां समय पर प्राप्त हुई।

6. (क) अक्षय लि. ने ₹ 10 प्रति अंश से 20,000 अंश निर्गमित किए जिन पर भुगतान इस प्रकार किया जाना था।

   ₹ 2 आवेदन राशि, ₹ 2 आबंटन पर, ₹ 3 प्रथम याचना पर तथा शेष अंतिम याचना पर/प्रथम याचना राशि मांगी गई। सभी सदस्यों ने इसका भुगतान कर दिया। एक सदस्य जो 800 अंशों का धारक है उसने शेष देय भी पूरा भुगतान कर दिया तत्पश्चात अंतिम याचना की गई जिसका पूरा भुगतान हो गया।

   रोजनामचा में प्रविष्टियाँ कीजिए

   (ख) निर्मल लि, जिसकी अधिकृत पूँजी ₹ 10,00,000 है जो ₹ 10 के अंशों में बंटी है, ने 50,000 अंश जारी किए जिनका भुगतान इस प्रकार होना था ₹ 2 प्रति अंश प्रार्थना राशि, ₹ 3 आबंटन पर, 2.50 प्रति अंश से तीन महीने के पश्चात। सभी राशि समय पर प्राप्त हुई लेकिन जब ₹ 2.50 की याचना की गई तो 200 अंशों

टिप्पणी

के एक धारक ने भुगतान नहीं किया जबकि एक अन्य ने जिसके पास 400 अंश है पूरा शेष का भुगतान कर दिया। रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

7. गुडलक लि. कम्पनी ने 50,000 अंश ₹ 10 प्रति अंश को ₹ 4 प्रीमियम पर जारी किया जिन पर भुगतान इस प्रकार होना था :

आवेदन पर ₹ 2 प्रति अंश

आबंटन पर ₹ 6 प्रति अंश (₹ 3 प्रति अंश प्रीमियम सहित)

प्रथम एवं अन्तिम याचना पर ₹ 6 प्रति अंश सहित (₹ 1 प्रीमियम सहित)

आवेदन पर आधिक्य भुगतान केवल आबंटन में समायोजित किया जाएगा। 75,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। 15,000 अंशों के प्रार्थियों को क्षमा याचना पत्र भेजे गये तथा उनकी पूरी राशि लौटा दी गई। 15,000 अंशों के लिए आवेदकों को 5,000 अंशों का आबंटन किया गया। आबंटन तथा याचना पर देय पूरी राशि प्राप्त हुई।

रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

8. सुपर इन्डिया पैट्रो केमीकल्स् लि. को 1 करोड. की पूँजी से पंजीकृत कराया गया जो ₹ 100 प्रति के अंशों में विभक्त की गई। कंपनी ने ₹ 25 लाख का संयंत्र खरीदा तथा भुगतान ₹ 25 प्रीमियम पर अंशों में किया। कंपनी ने ₹ 50 लाख के अंश ₹ 25 प्रीमियम पर जनसाधारण को जारी किए। इन पर भुगतान इस प्रकार देय था :

₹ 65 आवेदन एवं आबंटन पर

₹ 30 प्रथम याचना पर

शेष अन्तिम याचना पर

कंपनी को 75,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए जिनका आबंटन इस प्रकार से किया गया।

| | |
|---|---|
| 10,000 अंशों के आवेदक | शून्य |
| 40,000 अंशों के आवेदक | पूर्ण |
| 25,000 अंशों के आवेदक | 10,000 |

सभी से आबंटन राशि प्राप्त हुई लेकिन जब याचना राशि मांगी गई तो 400 अंशों के एक धारक को छोडकर सभी ने पूरी राशि का भुगतान कर दिया। वह सम्पूर्ण आबंटन वर्ग में से था तथा उसने प्रथम याचना का भुगतान नहीं किया लेकिन बाद में अन्तिम याचना के साथ इसका भुगतान कर दिया।

कंपनी अग्रिम याचना राशि पर 6% वार्षिक से ब्याज देती है तथा अदत्त याचना पर 12% वार्षिक से ब्याज लेती है। आबंटन के पश्चान प्रति 2 माह के अन्तराल पर याचना राशि मांगी गई।

कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

टिप्पणी

## पाठगत प्रश्नों के उत्तर

**27.1** (i) मूल्यांकित (ii) विक्रेता (iii) किश्तें (iv) प्रार्थी/आवेदक

**27.2** (i) अधि–अभिदान (ii) अंश प्रथम याचना
(iii) मांग पूँजी (iv) नहीं कर सकते

**27.3** (i) लाभ (ii) ₹ 3 (iii) प्रतिभूति प्रीमियम (iv) ₹100 प्रति अंश

**27.4** I. (i) हानि (ii) ₹ 90 (iii) ₹ 100 प्रतिअंश

II. (i) अदत्त याचना
(ii) पूर्वदत्त याचना
(iii) अदत्त याचना पर ब्याज खाता
(iv) पूर्वदत्त याचना पर ब्याज खाता